



या
ॐ

सर्वभूतेषु
शक्तिरूपेण
संस्थिता
नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमो नमः ॥



Saroj

सत्य-सत्यमेवैश्वरो लोके सत्ये धर्मः सदाशितः ।
सत्यमुल्बनि सर्वाणि सत्यान्नादित परं पदम् ॥
तुम सुष्टि पालन चौर संदर की शक्ति भूता,
सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो ।
नारायणि! तुम्हें नमस्कार है ।

1001

1002

1003

1004



1001



1002



या
ॐ

सर्वभूतेषु
शक्तिरूपेण
संस्थिता
नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमो नमः ॥



1004